

सुस्पष्ट वि. (तत्.) 1. अति स्पष्ट, पूर्ण रूप से स्पष्ट किया गया 2. शंका या संदेह से रहित।

सुस्पष्टता स्त्री. (तत्.) 1. पूरी तरह से स्पष्ट, पूर्ण स्पष्टता, पूर्ण पारदर्शिता 2. शक या संदेह से रहित।

सुस्मित वि. (तत्.) सुंदर या मधुर हँसी हँसने वाला, सुंदर हास्य वाला।

सुस्वध पुं. (तत्.) पितरों की एक श्रेणी या वर्ग, जो तर्पण, श्राद्ध के अधिकारी हों।

सुस्वधा स्त्री. (तत्.) 1. कल्याण, मंगल 2. सौभाग्य 3. अभ्युदय।

सुस्वन वि. (तत्.) 1. सुंदर ध्वनि/ शब्द करने वाला 2. सुंदर, मनोहर 3. सुरीला, मधुर 4. गूँजने वाला, गुंजायमान, बहुत ऊँचा शब्द पुं. शब्द।

सुस्वप्न पुं. (तत्.) 1. अच्छा स्वप्न, शुभ स्वप्न 2. मनचाही कल्पना ला.अर्थ 3. शिव।

सुस्वर पुं. (तत्.) 1. मधुर या सुरीला स्वर 2. उच्च स्वर या नाद 3. सुरीला स्वर वाला 4. शंख 5. गरुड़ का एक पुत्र।

सुस्वरता स्त्री. (तत्.) 1. सुस्वर होने की अवस्था, गुण, भाव 2. श्रुति-माधुर्य।

सुस्वादु वि. (तत्.) स्वादिष्ट, उत्तम स्वाद वाला, रुचिकर।

सुस्वामी पुं. (तत्.) 1. अच्छा स्वामी या मालिक 2. अच्छा पति उदा. "राम सुस्वामि कुसेवकु मोसो" -तुलसी।

सुहंग/सुहंगा वि. (तद्.) 1. अपेक्षतया कम कीमत का 2. सस्ता, महँगा का विलोम।

सुहंगम वि. (तत्.) सुगम, आसान, सहज।

सुहटा वि. (तद्.) सुहावना, सुंदर।

सुहड़ पुं. (तद्.) सुभट, बीर, पराक्रमी, योद्धा, शूरवीर।

सुहथ पुं. (तत्.) स्वहस्त, अपना हाथ, अपने हाथ से।

सुहनी स्त्री. (देश.) दे. सुंदर, सोहनी, सलोनी, शोभन, सुंदर।

सुहबत स्त्री. (देश.) 1. सोहबत, संग, साथ, संगत 2. मित्रता, दोस्ती 3. सहवास, स्त्री-प्रसंग।

सुहम पुं. (तत्.) सोऽहम, परमात्मा, वह ब्रह्म में हूँ।

सुहराना पुं. (तद्.) सहलाना, प्रेमपूर्वक हाथ फेरना।

सुहराब पुं. (फ़ा.) ईरान के प्रसिद्ध वीर रुस्तम का बेटा जो उसी के हाथों मारा गया।

सुहल पुं. (अर.) 1. सुहेल नामक एक कल्पित तारा, ऐसा माना जाता है कि यह यमन देश में ही दिखाई देता है और इसके उदय होने पर चमड़े में सुगंध आ जाती है तथा सभी जीव मर जाते हैं, परंतु हिंदी कवियों ने इसका उदय शुभ माना है 2. अच्छे हल वाला।

सुहस्त पुं. (तत्.) 1. सुंदर हाथ वि. सुंदर हाथों वाला 2. निपुण हस्त, कार्य कुशल 3. धृतराष्ट्र का एक पुत्र।

सुहा स्त्री. (देश.) 1. सुआ 2. लाल नामक एक पक्षी 3. पुं. सूहा नामक एक राग।

सुहाग पुं. (तद्.) 1. सौभाग्य, स्त्री की सौभाग्यवती या सुहागिन होने की अवस्था जब उसका पति जीवित होता है, अहिवात 2. विवाह में गाए जाने वाले गीत जिन्हें कन्या पक्ष की स्त्रियाँ गाती हैं और कन्या के अचल सौभाग्य की कामना करती हैं मुहा. सुहाग अचल रहना-आजीवन सौभाग्यवती रहना; सुहाग उजड़ना-विधवा होना; सुहाग उतरना- पति की मृत्यु के बाद पत्नी द्वारा सुहाग चिह्न जैसे- बिछुवा, चूड़ियाँ आदि उतारना, सुहाग भरना- पति द्वारा वधू की माँग में पहली बार सिंदूर भरना; सुहाग लुटना- विधवा होना; सुहाग भरी- सुख और सौभाग्य से युक्त स्त्री।